Aaj Ka Panchang 05 August का पंचांग: 05 August 2025 ka Panchang, शुभ मुहूर्त और राहुकाल का समय

अगस्त का पंचांग

एक माह में तीस तथियिां होती हैं और ये तथियिां दो पक्षों में वभिाजति होती हैं। शुक्ल पक्ष की आखरिी तथिकिो पूर्णमिा और कृष्ण पक्ष की अंतमि तथिअमावस्या कहलाती है। तथिकि नाम - प्रतपिदा, द्वतिीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी, अमावस्या/पूर्णमिा।

05 अगस्त 2025 का दैनकि पंचांग, Aaj Ka Panchang

हदिू पंचांग को वैदकि पंचांग के नाम से जाना जाता है। पंचांग के माध्यम से समय एवं काल की सटीक गणना की जाती है। पंचांग मुख्य रूप से पांच अंगों से मलिकर बना होता है। ये पांच अंग तथि, नक्षत्र, वार, योग और करण है। यहां हम दैनकि पंचांग में आपको शुभ मुहूर्त, राहुकाल, सूर्योदय और सूर्यास्त का समय, तथि, करण, नक्षत्र, सूर्य और चंद्र ग्रह की स्थति, हदिू मास एवं पक्ष आदि की जानकारी देते हैं। आइए जानते हैं आज का शुभ मुहूर्त और राहुकाल का समय।

पंचांग के पांच अंग तथि

हनि्दू काल गणना (हनि्दू कैलेंडर) के अनुसार 'सूर्य रेखांक' से 'चन्द्र रेखांक' को बारह अंश ऊपर जाने के लएि जो समय लगता है। वह तथिकिहलाती है। एक माह में 30 तथियिां होती हैं। और ये तथियिां 2 पक्षों में वभिाजति होती हैं। शुक्ल पक्ष की आखरिी तथि को पूर्णमिा और कृष्ण पक्ष की अंतमि तथिअमावस्या कहलाती है। तथिकि नाम – प्रतपिदा (Pratipada), द्वतिीया (Dwitiya), तृतीया (Tritiya), चतुर्थी (Chaturthi), पंचमी (Panchami), षष्ठी (Shashthi), सप्तमी (Saptami), अष्टमी (Ashtami), नवमी (Navami), दशमी (Dashami), एकादशी (Ekadashi), द्वादशी (Dwadashi), त्रयोदशी (Trayodashi), चतुर्दशी (Chaturdashi), अमावस्या/पूर्णमिा (Amavasya / Poornima)।

नक्षत्र

आकाश मंडल में एक तारा समूह को कहा जाता है। 27 नक्षत्र जसिमे होते हैं। और इन 27 नक्षत्रों का स्वामत्वि नौ ग्रहों को

प्राप्त है। 27 नक्षत्रों के नाम – कृत्तिका नक्षत्र, रोहिणी नक्षत्र, मृगशिरा नक्षत्र, अश्विनि नक्षत्र, भरणी नक्षत्र, आर्द्रा नक्षत्र, पुनर्वसु नक्षत्र, पुष्य नक्षत्र, आश्लेषा नक्षत्र, हस्त नक्षत्र, चित्रा नक्षत्र, स्वाति नक्षत्र, विशाखा नक्षत्र, मघा नक्षत्र, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र, रेवती नक्षत्र, अनुराधा नक्षत्र, ज्येष्ठा नक्षत्र, श्रवण नक्षत्र, घनिष्ठा नक्षत्र, शतभिषा नक्षत्र, मूल नक्षत्र, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र।

वार

वार से मतलब दिन से है। 1 एक सप्ताह सात वार / दिन होते हैं। ग्रहों के नाम से ये सात वार / दिन रखे गए हैं – सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार।

योग

योग भी नक्षत्र की तरह ही 27 प्रकार के होते हैं। योग सूर्य-चंद्र (Sun-Moon) की विशेष दूरियों की स्थितियों को कहा जाता है। दूरियों के आधार पर बनने वाले 27 योगों के नाम – शोभन, अतिगण्ड, सुकर्मा, धृति, विष्कुम्भ, प्रीति, व्याघात, हर्षण, वज्र, आयुष्मान, सौभाग्य, शूल, गण्ड, वृद्धि, ध्रुव, सिद्धि, शुभ, शुक्ल, ब्रह्म, इन्द्र और वैधृति, व्यातीपात, वरीयान, परिघ, शिव, सिद्ध, साध्य।

करण

दो करण 1 तिथि में होते हैं। कुल मिलाकर 11 करण होते हैं। जिनके नाम कुछ इस प्रकार हैं – गर, वणिज, चतुष्पाद, बालव, कौलव, तैतिल, नाग और किस्तुघ्न, बव, विष्टि, शकुनि। करण को भद्रा विष्टि कहते हैं। व शुभ कार्य करना भद्रा में वर्जित माने गए हैं।

(आज का पंचांग (Aaj Ka Panchang In Hindi), दैनिक पंचांग, Today Panchang, Panchang Today In Hindi, Panchang For Tomorrow, Kal Ka Panchang, Hindi Panchang)

As the top Jyotish in India, Pandit Acharya V Shastri ji (**Best Astrologer in Delhi NCR**) strongly recommends following these tips to bring the power of the moon in your favor again. Book your appointment or get assistance on call from the leading astrologer today for a more personalized analysis of your planets.

India's Famous Astrologers, Tarot Readers, Numerologists on a Single Platform. Call Us Now. Call Certified Astrologers instantly on Dial199 - India's #1 Talk to Astrologer Platform. Expert Live Astrologers. 100% Genuine Results

Read On Website